कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सामाजिक परिवर्तन

डॉ. लीलाधर, सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय दिव्यी, हनुमानगढ़

परिचय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज के डिजिटल युग की सबसे कातिकारी तकनीक है। यह तकनीक न केवल तकनीकी क्षेत्र में बदलाव ला रही है, बल्कि समाज के हर पहलू पर इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, और न्यायपालिका जैसे क्षेत्रों में AI ने नई सभावनाओं के द्वार बोते है। सामाजिक असमानता, बेरोजगारी, और पर्यावरणीय समस्याओं जैसे मुझे के समाधान में भी AI का योगदान महत्वपूर्ण है।

इस शोध-पत्र का उद्देश्य के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की प्रकिया को समझना, इसके प्रभावों का विश्लेषण करना और इससे उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करना है।